

भाषा संगम Bhasha Sangam

Gujarati

Volume 05

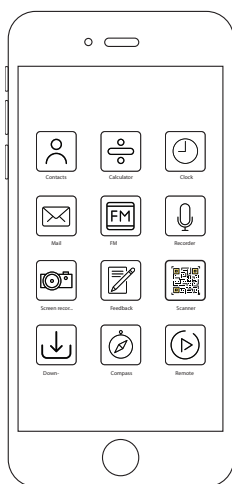


एक भारत श्रेष्ठ भारत

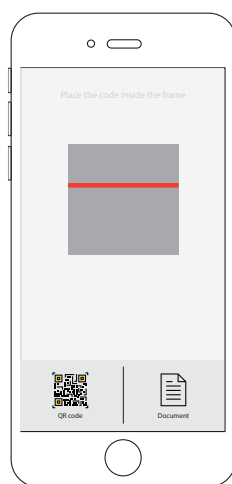
STEP-BY-STEP GUIDE FOR USERS TO ACCESS E-RESOURCES LINKED TO QR CODES

The coded box included in this book is called Quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios related to the sentences in the 22 languages given in the book. The first QR code is to access the complete e-book. The subsequent QR codes will help to access the relevant e-Resources linked to the languages in alphabetical order. This will help you enhancing your learning in joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your mobile phone or tablet.



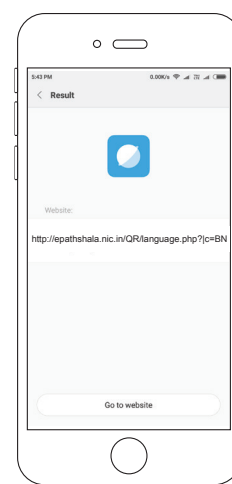
Install QR Code Scanner app from Play Store and open



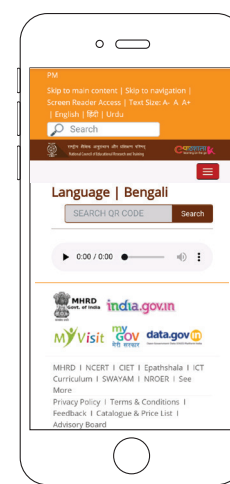
Get ready with QR code scanning window



Place scanner above the QR code




Select and click on the link



Use available e-Resource

For accessing the e-Resources on a computer or laptop follow the steps stated below:

1. Open the web browser like Firefox, Chrome etc. 
2. Go to the ePathshala website (<http://epathshala.gov.in>) and click on **Ek Bharat Shreshtha Bharat** Menu
3. Select the language and access the audio and video

ભાષા સંગમ *Bhasha Sangam*



Gujarati

Volume 05

एक भारत श्रेष्ठ भारत

धर्मेन्द्र प्रधान
धर्मेश्वर प्रधान
Dharmendra Pradhan



मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार

Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT), नई दिल्ली विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को रुचिकर एवं आनंदप्रद बनाने के उद्देश्य से बहुआयामी तथा रोचक गतिविधियों को तैयार कर रहा है।

हमारा देश 'विविधता में एकता' की भावना को सम्पुष्ट करने वाला देश है। बहुभाषिकता हमारे देश की अनूठी विशेषता है। हम आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से तो एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं ही, साथ ही भारतीय भाषाएं अंतर्भाषिक रूप से भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए बहुभाषी होना हमें एक-दूसरे को जानने, समझने के साथ-साथ देश को भी मजबूती से जोड़ने में मदद करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी बहुभाषिकता को एक ताकत के रूप में देखा गया है। शोध एवं अनुसंधानों से स्पष्ट है कि शुरुआती वर्षों में बच्चों में भाषा सीखने की अद्भुत क्षमता होती है। इसलिए कई भाषाओं के माध्यम से खेल-खेल में सीखने संबंधी अभ्यास करवाया जाए तो निश्चय ही बेहतर परिणाम होंगे। साथ ही, अन्य विषयों को सीखना भी आसान हो जाएगा। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा में उनकी मातृभाषाओं या आस-पास की भाषाओं के साथ-साथ अन्य भाषाओं से भी परिचय कराने का प्रावधान किया गया है। शुरुआती दौर में यह प्रयास हमारे संविधान में शामिल 22 भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी के माध्यम से किया गया है, जिसका धीरे-धीरे अन्य भाषाओं तक विस्तार किया जाएगा।

एनसीईआरटी द्वारा बहुत ही रचनात्मक ढंग से अनेक बहुआयामी एवं रोचक गतिविधियों को तैयार किया गया है। इसके माध्यम से बच्चे खेल-खेल में पूरे देश की संस्कृति, समाज, भूगोल, रहन-सहन इत्यादि को जान सकते हैं। यह रचनात्मकता आकलन संबंधी रचनात्मकता की भी मांग करती है, इसलिए ऐसे कुछ आकलन संबंधी बिंदु भी इसमें शामिल किए गए हैं। एनसीईआरटी का यह प्रयास निश्चित ही पूरे भारत को एक सूत्र में बांधते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को समृद्ध करेगा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को व्यवहारिक रूप प्रदान करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

मैं संस्थान को इन उत्कृष्ट प्रयासों हेतु हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

धर्मेन्द्र
(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा



कौशल भारत, कुशल भारत

MOE - Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister.msde@gov.in

About Bhasha Sangam...

Language is a major instrument in shaping individuals, society, culture, learning and education, thinking and identity of people. Language learning, as we know, is fundamental to all learning and harmonious development of young children into citizens for a country. Learning many languages in school and in society is common in our country and almost all Indians are multilinguals. This multilingual characteristics of the country is reflected in school education as the school curriculum advocates learning of many languages.

Bhasha Sangam is yet another effort in moving towards achieving the goal of education as also the vision of the Indian Constitution. **National Education Policy 2020**, while deliberating on language education in school underscores the need for recognising and promoting multilingualism as a path to realising the fundamental aims of education and schooling. The effort to enable our learners learn and use 100 sentences in the 22 languages will go in a long way in promoting language learning and understanding others through schooling. I sincerely hope that this programme of *Bhasha Sangam* is taken in all seriousness and implemented in schools to achieve the goals of education.

I wish all learners, teachers and head teachers the best to benefit the maximum from *Bhasha Sangam*.

भाषा वह माध्यम है जो प्रत्येक व्यक्ति, समाज, संस्कृति, शिक्षा, चिंतन और जन अस्मिता को स्वरूप प्रदान करता है। जैसा कि विदित है कि भाषा सीखना और सिखाना मानवता के लिए एक मूलभूत आवश्यक तत्त्व है। इसके परिणाम स्वरूप नागरिकों में एकता और सद्भावना विकसित होती है। विद्यालयों में अनेक भाषाओं का शिक्षण एक सामान्य बात है और लगभग सभी भारतीय बहुभाषी हैं। बहुभाषिकता की इसी विशेषता को लक्षित करते हुए स्कूली पाठ्यक्रम में बहुभाषिकता को प्रोत्साहन प्रदान करना आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भाषा संगम एक प्रयास है जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान और प्रसार हो। इसके अंतर्गत यह चेष्टा की गई है कि सभी शिक्षार्थी 22 भाषाओं में 100 वाक्यों को सीखने और बोलने का प्रयास करेंगे। इस प्रकार विभिन्न भाषाओं के प्रति समझ, रूचि और बोध संभव होगा।

मुझे पूरी आशा है कि भाषा संगम को पूर्ण गंभीरता से कार्यान्वित किया जाएगा, जिससे स्कूली शिक्षा के हमारे इस महती लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। मैं सभी शिक्षार्थियों, अध्यापकों और विद्यालय प्रमुखों को भाषा संगम अभियान का लाभ उठाने की शुभकामनाएँ देता हूँ।



Sridhar Srivastava

Director

National Council of Educational Research and Training

New Delhi 110016

एक भारत श्रेष्ठ भारत भाषा संगम



आप और हम एक ऐसे देश में रहते हैं जहाँ थोड़ी-थोड़ी दूरी पर भाषा बदल जाती है। आप एक से ज्यादा भाषा जानते, समझते, सुनते या बोलते होंगे, इस बात में कोई शक नहीं हो सकता। यह हमारे देश और समाज की खूबसूरती है। आपकी कक्षा में आने वाले बच्चे भी ऐसे पारिवारिक या सामुदायिक परिवेश से आ सकते हैं जहाँ एक से ज्यादा भाषाएँ बोली जाती हों। संभावना ये भी है कि स्कूल में इस्तेमाल होने वाली भाषा बच्चों के परिवेश में मौजूद न हो। इस सामाजिक सच्चाई को स्कूल में उचित स्थान मिलना ज़रूरी है।

इन्हीं विविधताओं का सम्मान करते हुए और उन्हें आपस में जोड़े रखने के लिए “एक भारत, श्रेष्ठ भारत” के अंतर्गत ‘भाषा संगम’ कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। ‘भाषा संगम’ हमारे संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाने और बहुभाषिकता के प्रति जागरूक करने की ओर एक पहल है। इसके फलस्वरूप विद्यार्थी न केवल बहुभाषिकता के प्रति जागरूक होंगे बल्कि उस भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों की सामाजिक, सांस्कृतिक व्यवहारों और संदर्भों को समझ पाएंगे।

भाषा संगम के उद्देश्य

- भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित सभी 22 भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
- सभी भाषाओं के प्रति आदर और सम्मान को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को इन भाषाओं के माध्यम से देश की अनूठी सांस्कृतिक छटाओं और व्यवहारों के समीप लाना।

भाषा संगम का क्रियान्वयन

भाषा संगम की शुरुआत में विद्यार्थियों को अलग-अलग भाषाओं के पाँच वाक्य सीखने के मौके दिये गए। फलस्वरूप विद्यार्थियों में इन भाषाओं को विस्तार से जानने की और इन भाषाओं को बोलने वाले लोगों के सांस्कृतिक, सामाजिक व भाषिक व्यवहार को जानने समझने की जिज्ञासा बढ़ी। इसलिए विद्यार्थियों को 22 भाषाओं में लगभग 100 वाक्यों के गुच्छे सीखने के लिए दिये जा रहे हैं। इन वाक्यों से परिचित कराने से पहले एक अपेक्षित माहौल बनाने की जरूरत होगी, जिससे कि दूसरी भाषाओं को सीखने में सुगमता और सहजता आ सके। हमारा विश्वास यह है कि विद्यार्थी इन्हीं वाक्यों तक सीमित न रह कर आगे बढ़ें।

- यह कार्यक्रम राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम में संविधान में दी गई सभी 22 भाषाओं का समावेश किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 22 भारतीय भाषाओं में सरल व सामान्य रूप से इस्तेमाल होने वाले छोटे-छोटे वाक्य तैयार किए गए हैं जिन्हें सभी विद्यार्थियों के साथ एक पुस्तिका के रूप में साझा किया जाएगा।

पुस्तिका की प्रस्तुति/ रूपरेखा इस प्रकार है -

- इस पुस्तिका में दिये गए वाक्य संवाद शैली में बने हैं। ये वाक्य विद्यार्थियों के लिए प्रासंगिक एवं दैनिक जीवन से संबद्ध विषयों पर आधारित है।
- इन वाक्यों की रूपरेखा कुछ इस प्रकार से की गई है: पहले मूल भाषा में फिर देवनागरी लिपि में फिर उसका हिंदी अनुवाद - रोमन लिपि में व अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है।
- इन विषयों पर आधारित वाक्यों को सीखने-समझने और अभ्यास करने के लिए 20 कार्य दिवस प्रस्तावित किए गए हैं।
- प्रत्येक विषय और उसके अंतर्गत आने वाले वाक्यों के लिए दिनों का निर्धारण सुझाया गया है। यदि किन्हीं दिनों में वाक्यों की संख्या अधिक है तो उनके अभ्यास के लिए आवश्यकतानुसार दिनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।
- औपचारिक रूप से इस पुस्तिका के इस्तेमाल के लगभग एक माह पहले उपयुक्त परिवेश बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।
- अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इस प्रक्रिया को अभ्यास के द्वारा आगे के महीनों में भी दोहराया जा सकता है।
- इस परियोजना के दस्तावेजीकरण के लिए और विद्यालयों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ सुझाव हैं, जैसे- विद्यालय विद्यार्थियों की प्रमुख गतिविधियों/दैनिक गतिविधियों के छायाचित्र और वीडियो तैयार कर 'अपलोड' करेंगे। राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग, डी.ई.ओ. और बी.ई.ओ. भी इन गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो राज्य स्तर, जिला स्तर या ब्लॉक/ संकुल स्तर पर 'अपलोड' कर सकते हैं। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा 'अपलोड' की गई अथवा भेजी गई तस्वीरों और वीडियो के आधार पर सर्वश्रेष्ठ विद्यालय, सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक, सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।
- यदि कुछ विद्यार्थी अन्य भाषा बोलना और पढ़ना-लिखना जानते हैं तो उन्हें पढ़ने के लिए और दूसरों को पढ़ना-लिखना सिखाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसी प्रकार यदि कोई अध्यापक/ अध्यापिका, अभिभावक, सरकारी कर्मचारी या कोई अन्य उस भाषा को पढ़ सकते हों तो उन्हें उन वाक्यों को पढ़ने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- प्रस्तावित पुस्तिका और उससे संबंधित गतिविधियाँ अर्थपूर्ण और रोचक माहौल में आयोजित की जानी चाहिए ताकि बच्चे सीखी जाने वाली भाषा का इस्तेमाल रोजाना की आपसी बातचीत में करने की कोशिश करें। ऐसा करने में कुछ हँसी-मजाक का माहौल भी बन सकता है। शिक्षक भी बच्चों के साथ इस बातचीत में शामिल हों।

प्रस्तावित गतिविधियाँ

- यहाँ 12 विभिन्न विषयों पर लगभग 100 वाक्य दिए गए हैं। राज्य/विद्यालय किसी भी दूसरे राज्य की भाषा, बोलने और अभ्यास के लिए चुन सकते हैं। यह बातचीत प्रातःकालीन सभा में की जाएगी।
- विद्यार्थियों को इन वाक्यों पर पोस्टर तैयार कर उन्हें विद्यालयों में लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए अध्यापकगण उसी भाषा में बच्चों को संबोधित करेंगे और उनसे बातचीत करेंगे।
- विद्यार्थियों को इस बात के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा कि घर पर परिवार के सदस्यों के साथ इन वाक्यों को साझा करें।

- इस पहल/कार्यक्रम से संबंधित अन्य गतिविधियों का आयोजन विद्यालय अपने स्तर पर कर सकते हैं।
- इन भाषाओं के लोक-गीतों, प्रचलित गाने, खेल-गीत, कविताओं का इस्तेमाल इस भाषा के प्रति रुझान उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है।
- भूगोल, भाषा, इतिहास, पर्यावरण अध्ययन आदि विषय पढ़ाते समय ये संवाद/ वाक्य समुचित स्थान पर यथासम्भव उपयोग में लाए जा सकते हैं, क्योंकि ये संवाद/ वाक्य बच्चों के लिए प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं।

भाषा संगम एक ऐसा कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को देश के राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों और उनमें समाहित सांस्कृतिक, भाषिक विविधता को समझने का अवसर देगा। यह कार्यक्रम आपसी संवाद की एक पहल है।

आपके स्कूल में यह कार्यक्रम सुचारू रूप से चल सके उस के लिए आप कुछ तैयारी इस तरह से कर सकते हैं:

- विद्यालय प्रमुख स्कूल के सभी अध्यापकों के साथ इस कार्यक्रम से जुड़ी सामग्री को जरूर पढ़ें। पढ़कर उस पर चर्चा हो और कार्यक्रम के हर पहलू पर बातचीत हो। यह कार्यक्रम बहुभाषिकता की समझ पर टिका है इसलिए इस पर साझा समझ बनाना बेहद जरूरी है।
- अभिभावकों की साझेदारी इस कार्यक्रम में जरूरी है। शिक्षक अभिभावक संघ की मीटिंग के जरिये अभिभावकों को इस कार्यक्रम से परिचित करवाएं और उन्हें अपने विचार और सुझाव रखने को कहें।
- इस कार्यक्रम की सफलता के लिए जरूरी है कि स्कूल में सभी अपनी जिम्मेदारी जानते हों। कक्षा 4 से 8 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों में से एक मुख्य समन्वयक की जिम्मेदारी ले लें और 2-3 शिक्षक सह-समन्वयक की भूमिका में मदद कर सकते हैं।

भाषा संगम के लिए तैयारी— कक्षा में माहौल बनाना

यह कार्यक्रम बच्चों के अनुभव क्षेत्र में एक ऐसी भाषा ले कर आ रहा है जो आमतौर पर आपके स्कूल के बच्चों ने कभी न सुनी हो, हो सकता है भाषा का नाम सुना हो पर भाषा सुनने का कभी मौका न मिला हो। यह भाषा अपरिचित तो लग ही सकती है, इस की ध्वनियाँ, वाक्यों का उतार-चढ़ाव, यह सब भी एक नयापन लिए सुनाई देंगे। बच्चों और खुद के कानों को इस भाषा की आवाजों और उच्चारणों की आदत डालनी होगी। इस के लिए आप महीने भर का समय लें और इस समय में भाषा को सुनने का मजा लें। इस मजे में भाषा से दोस्ती हो पाएगी।

सरल और सहज माहौल जिस में भाषा के कुछ खेल, गीतों, जनमानस में छाए लोक गीतों, बच्चों के लिए उपयुक्त फ़िल्मी गानों का भरपूर इस्तेमाल हो। पहेलियाँ और चुटकुले पीछे न रह जाएँ- खासकर वो जिनमें ध्वनियों, शब्दों का खेल हो। कुछ साधन-सामग्री तो आप तक पहुंच ही जाएगी पर इन्टरनेट का भी सहारा लें। सुनें, सुनाएं, गाएं, गुनगुनाएं, खेलें। आप के उत्साह और आप को आ रहे आनंद से बेहतर साधन-सामग्री असल में कुछ भी नहीं है। इस में आपको कक्षा में बहुत समय देने की जरूरत भी नहीं है। दिन में दो-दो बार 10-15 मिनट काफ़ी होंगे। बस आप की तैयारी पूरी रहे। ऐसा समय अच्छा हो सकता है जब बच्चे दिमागी कवायद से थक गए हों या फिर खाने से ठीक बाद के 10-15 मिनट या फिर घर जाने से पहले। यह पूरी कोशिश केवल कानों को नयी भाषा सुनने के लिए अभ्यस्त करने की है और उस में आनंद लेने की। इसे आप औपचारिकता से दूर रखें। इस महीने में बच्चों को किसी भी तरह से परखा न जाए।

- इस दौरान आप को कुछ ऐसे स्रोतों की जरूरत पड़ सकती है जिस से कक्षा में नयी भाषा सीखने का माहौल बन सके। नीचे कुछ ऐसे ही स्रोतों की सूची है जहाँ आपको विभिन्न भाषाओं में सामग्री मिल सकती है:

- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली
- राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
- जिलों के मंडल शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
- सांस्कृतिक संदर्भ एवं प्रशिक्षण केंद्र
- चिल्ड्रेन फिल्म सोसाइटी
- नेशनल बुक ट्रस्ट

सीखने की प्रक्रिया- बच्चों की प्रतिक्रियाएं

जब एक ऐसी भाषा बच्चों के कानों में पड़ेगी जो उन्होंने पहले नहीं सुनी तब बच्चों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग तरह की होंगी। हो सकता है कुछ बच्चे शुरुआत में कोई दिलचस्पी न दिखाएं, हो सकता है कुछ को अटपटी लगी, कुछ को मजेदार लगे और कुछ इसका मज़ाक भी उड़ाएं। हमें सभी तरह की प्रतिक्रियाओं के लिए तैयार रहना होगा। हम जितने सम्मान, दिलचस्पी और उत्साह के साथ इस भाषा के साथ बच्चों का परिचय करवाएंगे बच्चों का रवैया भी भाषा के प्रति वैसा ही विकसित होगा।

रचनात्मक आकलन

आकलन के समय इस खयाल को ज़हन में रखना मददगार होगा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भाषा सिखा देना नहीं है। बीस दिन में यह संभव भी नहीं। सम्बंधित भाषा के ये वाक्य बच्चों को उस भाषा को सुनने का सन्दर्भ देते हैं। यह कार्यक्रम इन वाक्यों को यांत्रिक रूप से रटा देने का भी उद्देश्य नहीं रखता। **कार्यक्रम के दौरान अगर अपनी भाषा(ओं) से अलग भाषा(ओं) के प्रति हमारे रवैये में एक बदलाव आने लगे तो यह इस कार्यक्रम की सफलता का संकेत होगा।** बच्चों में ये समझ बन पाए कि देश (और संसार) में अनेक भाषाएँ हैं और ये भाषाएँ उतनी ही सक्षम और सुन्दर हैं जैसे की उनकी भाषा। भाषाओं के प्रति प्रेम और आदर इस समझ से ही पनप सकता है। हमारे आकलन के तरीके भी इस समझ को पहचानें – यह ज़रूरी है। आकलन का सन्दर्भ ऐसा ही हो जिसमें बच्चे भाषा के इस्तेमाल का आनंद ले सकें।

बीस दिन के केन्द्रित भाषा कार्यक्रम के दौरान बच्चों की प्रतिक्रियाओं, भागीदारी और उत्साह का आप अवलोकन करें। आप अपनी टिप्पणियों को एक नोटबुक में दर्ज करते रहें। अगर आपने महीना भर कक्षा में नयी भाषा के लिए माहौल बनाया है तो अवलोकन करना मुश्किल नहीं होगा। आकलन आप तीन स्तरों पर कर सकते हैं।

- कक्षा
- समूह या जोड़ों में

● हर बच्चे का

कार्यक्रम के सन्दर्भ में सुझाए गए इन वाक्यों के आधार पर बच्चों का आकलन सम्बंधित भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर किया जा सकता है। वाक्यों को कई विषय-वस्तुओं में बाँधा गया है। इस तरह से हर विषय-वस्तु बातचीत का एक सुदृढ़ सन्दर्भ देती है। नीचे दिए हुए पांच प्रश्न भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर केंद्रित हैं। **सम्बंधित भाषा की ध्वनियाँ, उसके शब्द, संदर्भ में शब्दों का अर्थ, कुछ मुख्य शब्दों को पहचान कर संदर्भ का अनुमान लगा पाना, संदर्भ में प्रश्न पूछ पाना। जैसे पहलू आकलन में शामिल हों।**

ध्यान दें कि यह आकलन किसी भी तरह से बच्चों की स्मरण शक्ति की जांच नहीं है। वैसे ही शुद्ध उच्चारण पर ज्यादा बल नहीं देना चाहिए क्योंकि किसी भी भाषा के उच्चारण में प्रांतीय प्रभाव स्वाभाविक है।

प्रश्न 1. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा के वाक्यों को अन्य भाषाओं के वाक्यों से अलग सुन पाता है?

प्रश्न 2. क्या बच्चा (सुझाए गए इन वाक्यों में से) सुन कर विषय-वस्तु का अनुमान लगा पाता है?

प्रश्न 3. क्या बच्चा सुझाई गयी विषय-वस्तुओं पर केन्द्रित बातचीत के मुख्य शब्दों के अर्थ बता पाता है?

प्रश्न 4. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में पूछे गए प्रश्न का जवाब दे पाता है?

प्रश्न 5. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से संदर्भ बताने पर क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में प्रश्न पूछ पाता है?

ऊपर दिए गए प्रश्नों के जवाब पाने के लिए नीचे कुछ आकलन के तरीके सुझाए जा रहे हैं। आप इनको अपनी ज़रूरत और संदर्भ के हिसाब से बदल सकते हैं। आप उन बदलावों का या अपने बनाये तरीकों का विस्तृत विवरण ज़रूर रखें। तीन या चार भाषाओं के ऑडियो क्लिप बच्चों या बच्चे को सुनवाएं। सीखी जा रही भाषा के ऑडियो क्लिप को पहचानने के लिए कहें।

1. सम्बंधित भाषा में एक विषय-वस्तु पर बातचीत आप सुनाएं या दो बच्चों को रोले-प्ले करने के लिए कहें या फिर ऑडियो प्ले करें। बच्चों या बच्चे को बातचीत की विषय-वस्तु बताना है।
2. बातचीत की विषय-वस्तु बताने पर आप बच्चों या बच्चे से बातचीत में आए ऐसे शब्द और उनके अर्थ बताने के लिए कहें जिनके आधार पर उन्होंने विषय-वस्तु का अनुमान लगाया।
3. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से किसी में से आप प्रश्न पूछें। बच्चे या बच्चा उस प्रश्न का उसी भाषा में जवाब दें।
4. आप एक सन्दर्भ का उल्लेख करें और बच्चों या बच्चे से पूछें की वे/वो सीखी जाने वाली भाषा में सन्दर्भ से जुड़ी बातचीत बताएं।

यह अच्छा होगा कि ये सभी गतिविधियाँ पहले पूरी कक्षा के साथ खेल-खेल में की जाएँ। बच्चों की अनुमान लगा पाने और अर्थ खोज पाने और समझने की क्षमता को सराहें। ये, दो कारणों से ज़रूरी है। भाषा की नींव अर्थ में है। दूसरा, रोजमर्रा की ज़िन्दगी में बहुभाषिकता में सटीकता पर जोर न हो कर एक-दूसरे को समझने की कोशिश होती है। कक्षा में भी हम समझने की कोशिश करें कि बच्चे क्या बताना चाह रहे हैं।

Ek Bharat Shreshtha Bharat Bhaashaa Sangam



We live in a country where language changes after a few kilometers. We appreciate, understand, listen to and speak more than one language. This is a beautiful aspect of our society and country. The students come to school with more than one language. There is a possibility that the language prevalent at the school may not be present in the child's social environment. This social reality must be recognised at school level.

Respecting the diversity and to keep all languages connected with one another, ***Bhaashaa Sangam*** under the programme, ***Ek Bharat, Shreshtha Bharat*** has been conceptualized. ***Bhaashaa Sangam*** reflects and realises the vision of the Indian Constitution on languages, linguistic and cultural diversity. This is a step towards creating an awareness and encouraging our students towards multilingualism. Consequently, students will not only become aware, but also understand socio-cultural behaviors of people using languages.

Objectives of Bhaashaa Sangam

- To familiarise students with the 22 Indian languages of the 8th schedule of the Indian Constitution.
- To foster linguistic harmony among students and promote national integration through learning of languages.
- To bring students closer to the unique cultural hues and diversity of our country through languages.

Implementation of Bhaashaa Sangam

In the first programme of *Bhaashaa Sangam*, students were exposed to and given opportunities to learn five sentences from the 22 scheduled languages. As a result, students developed curiosity to learn more about the languages and attempted to know more about the cultural, social as well as linguistic background of people who speak these languages. In this programme of *Bhaashaa Sangam*, students are being given bunches of about 100 sentences in the 22 languages. Appropriate environment needs to be created before introducing students to these sentences, so that these sentences can be learnt with ease and spontaneity. We believe that students will go beyond and become familiar with the languages.

- This programme will be operated and executed in all the states and union territories by the Education Department.
- All the 22 languages of the Indian Constitution are included in this programme. Short and simple sentences used in day-to-day life contexts have been prepared for this programme. These sentences are shared with schools, teachers and students in the form of audio, video with Indian Sign Language (ISL) and print booklet.

Presentation of the booklet

- The sentences given in this booklet are in dialogue form. These sentences are relevant and based on the subjects /topics from the daily lives of students.
- The sentences are presented in the following way: **i.** In the Indian language, **ii.** In Devanagari script, **iii.** In Hindi, **iv.** In Roman script and **v.** In English.
- 20 working days have been assigned to understand and practice the sentences in different topics for one language.
- Allocation of days has been suggested for every topic and the sentences under each topic. If sentences are more for a topic, number of days can be increased for practice as required.
- Process for preparation of a conducive environment should start one month prior to the formal introduction of the sentences.
- To achieve the desirable objectives, the same content can be practiced and repeated in the following months.
- For documentation of this project and motivation of the schools, there are some suggestions. For example, schools can upload pictures and videos of principal activities/ daily exercises of students. Education Departments, C.E.Os, D.E.O., B.E.Os in the States and Union Territories can also upload the pictures or videos of these activities at the Block / Centre /Zonal or State levels. Ministry of Education (MoE), School Education and Literacy Department, Government of India can select best school, best block, best district, best state / union territory on the basis of these pictures / videos and confer prizes to them.
- If a student knows the language of the neighbouring state (reading, writing, speaking), s/he should be encouraged to help other students learn the same. Similarly, if a teacher, parent any other government servant or any other person knows some other language they can be invited to read out the sentences for students.
- Proposed activities must be conducted in conducive and interesting environment, so that the students can use the language they are learning in their daily conversation. This can also create a fun atmosphere. Teachers should also participate in the conversations.

Proposed activities

There are about 100 sentences from different topics. **States / School systems can select a language of another state, practice and speak in the same language.**

- The dialogues / conversations will be practiced and done during the morning assembly and as and when students find time to do so.
- Students should be encouraged to prepare posters, infographics of depicting these sentences and display them on the notice boards or on walls in the schools.
- Teachers may address students in the same language to encourage them to use the language.
- Students would be encouraged to share these sentences with their family members and neighbours too.
- Activities related to this project can be organized at school level.
- To create further interest in the language, folk songs, popular songs, poems and game-songs can also be used.
- During the teaching of subjects like Languages, Geography, History and Science these sentences can be used at appropriate places in the right context as the sentences are relevant to the subjects and for students.

To conduct this programme efficiently in our schools we can prepare in the following ways

- The Head of School and all the teachers must read the content related to this programme. After reading the content, there should be a discussion about various aspects of the programme. This programme is to promote multilingualism, so a shared vision has to be developed.
- The participation of parents is essential for the success of the programme. Parents should be made aware of the programme through Parent Teacher Meetings (PTM). They should be encouraged to share their ideas and suggestions.
- For making this programme a success, it is important that everyone in the school must be aware of their responsibility. One of the teachers teaching classes 4th to 8th should take the responsibility as a coordinator and two or three teachers can take up the role of co-coordinators.

Preparation for multilingual class: Creating environment in the classroom

This programme will enable the students to experience a language that they might not have heard of in school. Probably, they may have heard the name of the language, but might not have any experience of listening to it. This language can not only be unfamiliar, but the

sounds, the voice modulations, all these can be very new to them. Students and teachers will have to familiarize themselves with the sounds and pronunciation of the language. We can spend an entire month on the same and enjoy listening to the new language. This engagement will result in friendship with the language.

Stress free, informal environment should be created with ample use of songs, games, popular folk songs and appropriate film songs. Riddles and jokes should not be left behind, especially those in which sounds and words are used in a playful manner. Materials will be made available to you but feel free to use resources from internet. Enjoy speaking, listening, playing, muttering and singing. No material is better than our enthusiasm and fun. We don't need to invest too much time in classroom for this. 10 to 15 minutes twice a day are enough. We should be well prepared. These 10 to 15 minutes can be scheduled whenever the students have time, after the lunch- break or in the last period. All efforts are only to make the ears habitual of listening to the new language and enjoy it. It has to be informal. No formal testing or evaluation should be done.

- During this period we may need some resources which will help us to create the right environment to learn a new language in the class. A list of such sources is enlisted here where we can find materials in different languages:
 - National Council of Educational Research and Training
 - State Council of Educational Research and Training
 - District Institutes for Education and Training
 - Centre for Cultural Resources and Training
 - Children Film Society
 - National Book Trust
 - Any other institution interested in Bhasha Sangam.

Process of learning: Children's responses

When children listen to a new language that they may not have heard earlier, they would respond differently. It is a possibility that at the earnest, some students may not show any interest in the language as they may find it strange, some may find it amusing and some others may even make fun of it. We should be prepared for all kinds of responses. The respect, interest and enthusiasm displayed by us, while introducing the new language to the students, will guide development of their attitude towards it.

Creative assessment

During assessment, it would be helpful to keep in mind that the objective of this programme is not to teach students the language; it is not possible in twenty days. Listening to these sentences of the reference language is attributed to listening of the language. Moreover, the objective of this programme is not rote memorization of these sentences. Rather, the change in our attitude towards a language that is different from the one that we are familiar with during the programme will be the signal of its success. The emergence of understanding among students that there are diverse languages in our country (and in the world) and are equally accomplished as well as beautiful as their own language will lead to love and respect for all languages. It is important that our assessment procedures should be able to recognize this understanding. The reference of assessment should be such that students are able to enjoy the usage of language.

During the programme for 20 days, we should observe the responses, participation and enthusiasm of students. Keep recording of your comments in a notebook. If we have been able to create a conducive environment for acquiring a new language during the initial month, then observation will not be a difficult task. We can do the assessment at three levels:

- As whole class group
- In small groups or pairs
- At individual student level

With reference to the programme, assessment on the basis of suggested sentences can be done on different aspects of the language. Sentences have been categorized in different topics. In this manner, every topic provides a novel context for communication. The five questions mentioned below, focus on various aspects of the language. Assessment can include words, meaning of words and sounds in context, identification of some prominent words and guessing their meaning in context, asking questions by referring to the context of the language. This assessment does not judge the memory power of the students in any way. Similarly, there should not be too much emphasis on correct pronunciation as regional variations in pronunciation of any language is obvious.

Question 1. Can students listen and differentiate between sentences of the reference language from other languages?

Question 2. Can students guess the context/ topic by listening to the suggested 100 sentences?

Question 3. Are the students able to come up with meanings of prominent words from the suggested topics in focused discussions?

Question 4. Can students answer the questions asked in the reference language?

Question 5. Can students ask a question from the suggested topics in the reference language, after becoming aware of the context?

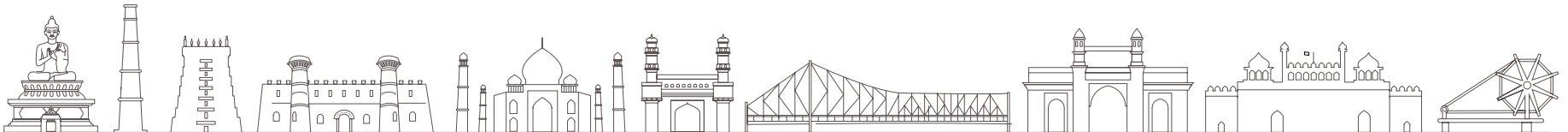
Some suggested methods for assessment of aforementioned questions are given below. You can change them according to the need

and the context. Keep a detailed record of the changes or self-created methods used for assessment.

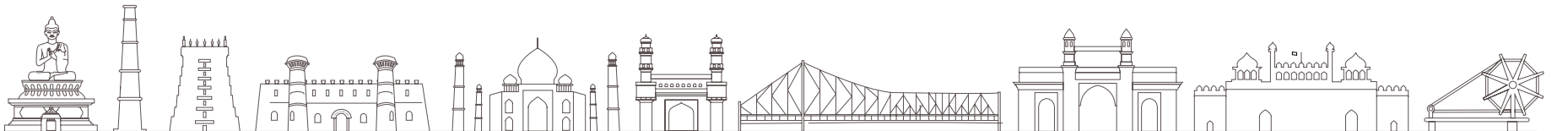
- Make students listen to 3 or 4 audio clips of different languages. Ask them to identify the audio clip of language they are learning.
- Let students listen to the conversation on a topic from the reference language or ask two students to perform a role play or play an audio clip. Students should be able to identify the subject or topic of the conversation.
- When students are able to identify the topic/ subject of conversation, ask them to reveal the words and their meanings that enabled them to guess the topic/ subject.
- Ask a question in the reference language from the suggested topics/ subjects. The students should be able to reply to the question in the same language.
- Give reference to a topic/ subject. Ask the students to carry on with the conversation in the same language.

It will be a good practice that all these activities are conducted in the classroom in play-way manner. Appreciate capacity for guessing, finding the meaning and understanding of the students. It is important for two reasons. The first is that the foundation of a language is inherent in finding the meaning of the utterances. The second is that everyday life does not focus on precision in multilingualism but on attempting to understand each other. Similarly, we should also try to understand what students want to convey.

Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
પ્રથમ દિવસ પરિચય	प्रथम दिवस जान-पहचान	प्रथम दिवस जान-पहचान	Pahla din Jaan-pahachan	First day Introduction/ Familiarisation
તમારું નામ શું છે?	तमारु नाम शुं छे?	आपका नाम क्या है?	tamaru naam shu chhe?	What is your name?
મારું નામ ભાવના છે.	मारु नाम भावना छे.	मेरा नाम भावना है।	maru nam bhavna chhe	My name is bhavna.
તમે કયા વર્ગમાં અભ્યાસ કરો છો?	तमे क्या वर्गमाँ अभ्यास करो छो?	आप किस कक्षा में पढ़ती हैं?	tame kya vargma bhano chho?	Which class do you study in?
હું આઠમા ધોરણમાં ભણું છું.	हु आठमाँ धोरणमाँ छुं	मैं कक्षा आठ में पढ़ता/ पढ़ती हूँ	hu aathma dhornama chhu.	I study in Class VIII.
તમારા માતાપિતાનું નામ શું છે?	तमारा मातापितानु नाम शुं छे?	आपके माँ-पिता का क्या नाम है?	tamara mata pitanu naam shu chhe?	What are your parent's name?
મારી માતાનું નામ શ્રીમતિ કુસુમ છે અને મારા પિતાનું નામ પ્રકાશ છે.	मारी मातानु नाम श्रीमति कुसुम छे अने पितानु नाम प्रकाश छे.	मेरी माँ का नाम कुसुम और पिता का नाम प्रकाश है।	mari matanu naam shreemati Kusum chhe ane mara pitanu naam shreeprakash chhe.	My mother's name is Kusum and my father's name is Prakash.



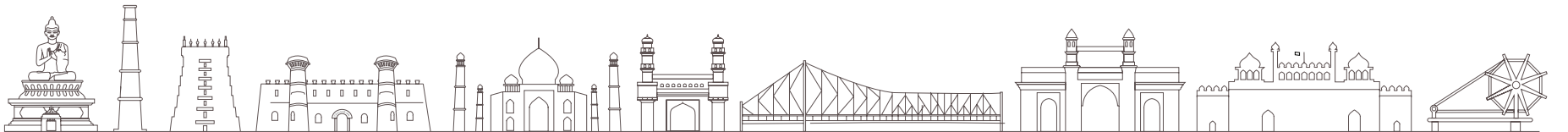
Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
તમે ક્યાં રહો છો?	તમે क्याँ रहो छो?	आप कहाँ रहती हैं?	tame kya raho chho?	Where do you live?
હું રાજકોટમાં રહું છું.	हું राजकोटमाँ रहु छुं.	मैं राजकोट में रहती हूँ.	hu Rajkotma rahu chhu	I live in Rajkot.
બીજો અને ત્રીજો દિવસ મારી શાળા	बीजो અને त्रीजो दिवस मारी शाला	दूसरा और तीसरा दिन मेरा विद्यालय	bijo ane trijo divas mari shala	Second & third day My School
તમારી શાળાનું નામ શું છે?	तमारी शालानु नाम शुं छे?	आपके विद्यालय का नाम क्या है?	tamari shalanu naam shu chhe.	What is the name of your school?
મારી શાળાનું નામ સરકારી બાલ વિદ્યાલય છે.	मारी शालानुं नाम सरकारी बाल विद्यालय छे.	मेरे विद्यालय का नाम राजकीय बाल विद्यालय है।	mari shalanu naam sarkari bal Vidyalaya chhe.	The name of my school is Rajkiya Bal Vidyalaya.
તમારા વર્ગશિક્ષક કયો વિષય ભણાવે છે?	तमारा वर्गशिक्षक क्यो विषय भणावे छे?	आपके कक्षा अध्यापक कौन-सा विषय पढ़ाते हैं?	tamara vargshikshak kyo Vishay bhanave chhe?	What subject does your class teacher teach?
અમારા વર્ગશિક્ષક અંગ્રેજી ભાષા ભણાવે છે.	अमारा वर्गशिक्षक अंग्रेजी भाषा भणावे छे.	मेरे कक्षा अध्यापक अंग्रेजी भाषा पढ़ाते हैं।	amara vargshikshak English bhanave chhe.	Our class teacher teaches English language.



Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
તમને કયા વિષયમાં વધુ રસ પડે છે?	तमने क्या विषयमाँ वधु रस पड़े छे?	आपकी किस विषय में अधिक रुचि है?	tamane kya vishyama vadhu ras pade chhe?	Which subject interests you the most?
મને ભાષા શીખવામાં વધુ રસ પડે છે.	मने भाषा शिखवामाँ वधु रस पड़े छे.	मुझे भाषा पढ़ना अच्छा लगता है।	mane bhasha shikhvama vadhu ras pade chhe.	I like learning languages.
તમને ભાષા શીખવામાં કેમ રસ પડે છે?	तमने भाषा शिखवामाँ कम रस पड़े छे?	आपको भाषा पढ़ना क्यों अच्छा लगता है?	tamane bhasha shikhvama kem ras pade chhe?	Why do you like learning languages?
ભાષામાં કવિતા, વાર્તાઓ અને નાટકો હોય છે.	भाषामाँ कविता,वार्ताओ अने नाटको होय छे.	इसमें कविताएँ होती हैं, इसमें कहानियाँ होती हैं, इसमें नाटक होते हैं।	bhashama Kavita,vartao ane natakoy chhe.	I like learning languages because they have poetries, stories and dramas.
હા, આપણે નાટકો ભજવી શકીએ છીએ.	हा, आपणे नाटको भजवी शकिए छीए.	हाँ-हाँ, नाटक तो हम खेल भी सकते हैं।	ba,aapne natakoy bhajavi shakiye chhiye.	Yes, we can play dramas.
તમે કેટલી ભાષાઓ બોલી શકો છો?	तमे केटली भाषाओ बोली शको छो?	आप कौन-कौन सी भाषायें बोल सकते हैं?	tame ketli bhashao boli shako chho?	Which languages can you speak?



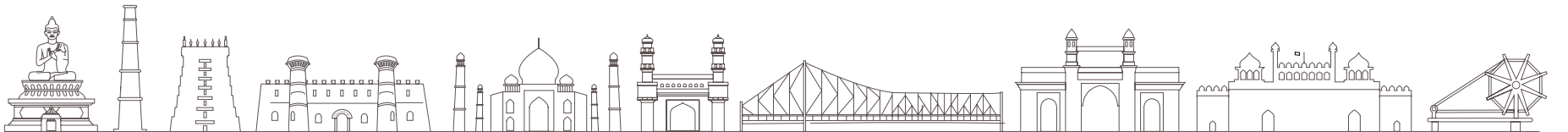
Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
હું હિન્દી, અંગ્રેજી, કચ્છી અને મરાઠી બોલી શકું છું.	હું हिंदी, अंग्रेजी, कच्छी અને मराठी बोली शकું છું	मैं हिंदी, अंग्रेजी, कच्छी और मराठी बोल सकता हूँ।	hu Hindi, English, kachchhi ane Marathi boli shaku chhu.	I can speak Hindi, English, Kachchi and Marathi.
ચોથો દિવસ મારા માતા પિતા	चोथो दिवस मारा माता पिता	चौथा दिन मेरे माता-पिता	chotho diva- Mara mata -pita	Fourth day My Parents
તમારા ઘરમાં રસોઈ કોણ બનાવે છે?	तमारा घरमां रसोई कोण बनावे છે?	आपके घर में खाना कौन बनाता है?	tamara gharma rasoi kon banave chhe?	Who cooks food in your house?
મારા માતા અને પિતા બંને રસોઈ બનાવે છે.	मारा माता અને पिता बन्ने रसोई बनावे છે	माँ और पिताजी दोनों खाना बनाते हैं।	mara mata ane pita banne rasoi banave chhe?	Both my father and my mother cook food in our house.
તમને શાળાએ મૂકવા કોણ આવે છે?	तमने शालाए मूकवा कोण आवे છે?	आपको स्कूल कौन पहुँचाता है?	tamane shalae mookva kon aave chhe?	Who drops you at school?
મારા માતા અથવા પિતા મને શાળાએ મૂકવા આવે છે.	मारा माता अथवा पिता मने शालाए मूकवा आवे છે.	मुझे स्कूल छोड़ने कभी माँ कभी पिताजी आते हैं।	mara mata athva pita mane shalae mookva aave chhe.	Sometimes my father and sometimes my mother drops me at school.



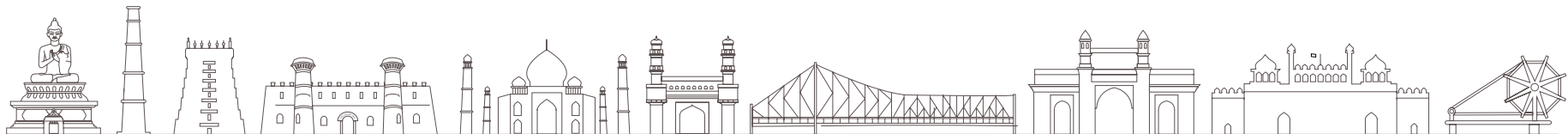
Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
વાલીઓ સાથેની શિક્ષકોની બેઠકમાં(પેરેન્ટ –ટીચર) કોણ જાય છે?	वालीओ साथेनी शिक्षकोनी बैठकमाँ कोण जाय छे?	अभिभावक-शिक्षक (पैरेंट-टीचर) मीटिंग में कौन आता है?	valio satheni bethakma kon jay chhe?	Who comes to attend the Parent teacher meeting?
ક્યારેક મારા પિતા અને ક્યારેક મારી માતા આ બેઠકમાં આવે છે.	क्यारेक मारा पिता अने क्यारेक मारी माता आ बैठकमाँ आवे छे.	पी.टी.एम. कभी माँ और कभी पिताजी आते हैं।	kyarek mara pita ane kyarek mari mata aa bethkma ave chhe.	Sometimes my father and sometimes my mother come to the P.T.M.
પાંચમો દિવસ આહાર	पांचमों दिवस आहार	पाचवाँ दिन खान-पान	panchmo divas aahar	Fifth day Food
તમને જમવામાં વધુ શું પસંદ છે?	तमने जमवामाँ वधु शुं पसंद छे?	आपको खाने में क्या पसंद है?	tamane jamvama vadhu shu pasand chhe?	What do you like to eat mostly?
મને ખીચડી વધુ પસંદ છે.	मने खिचड़ी वधु पसंद छे.	मुझे खाने में खिचड़ी पसंद है।	mane khichdi vadhu pasand chhe.	I like to eat khichdi.
તમારા વિસ્તારમાં કયુ ફળ વધારે મળે છે?	तमारा विस्तारमाँ क्यु फल वधारे मले छे?	आपके इलाक़े में कौन सा फल ज़्यादा मिलता है?	tamara vistarma kyu fal vadhare male chhe?	Which fruit is plentifully available in your area?



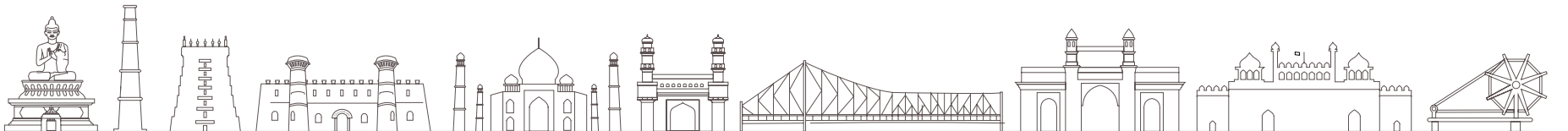
Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
અમારા વિસ્તારમાં જમરુખ અને કેરી વધુ મળે છે, પણ મને કેળા વધુ ભાવે છે.	अमारा विस्तारमाँ जमरुख अने केरी वधु मले छे पण मने केला वधु भावे छे.	हमारे यहाँ अमरूद, आम ज़्यादा मिलता है। लेकिन मुझे केला पसंद है।	amara vistarma jamrookh ane kerī vadhu male chhe, pan mane kela vadhu bhavē chhe.	Guava and Papaya are available in my area, but I like Banana the most.
છઠો દિવસ આરોગ્ય	छठो दिवस आरोग्य	छठा दिन सेहत	chhthho divas aarogya	Sixth day Health
તમે સવારે કેટલા વાગે જાગો છો?	तमे सवारे केटला वागे जागो छो?	आप सुबह कब जागते हैं?	yame savare ketla vage jaago chho?	At what time do you wake up in the morning?
હું સવારે છ વાગે જાગું છું.	हुं सवारे छ वागे जागुं छुं.	मैं सुबह छः बजे उठती हूँ।	hu savare chha vage jagu chhu.	I wake up at six O'clock in the morning.
તમે રોજ વ્યાયામ કરો છો?	तमे रोज व्यायाम करो छो?	आप कसरत करते हैं?	tame roj vyayam karo chho?	Do you do exercise every day?
હા, હું યોગ કરું છું.	हा, हुं योग करूँ छुं.	हाँ! मैं योग करती हूँ।	ha, hu yoga karu chhu.	Yes, I practice yoga.



Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
તમારી શાળામાં યોગ શિક્ષક છે?	તમારી શાલામાં યોગ શિક્ષક છે?	आपके स्कूल में कोई योग शिक्षक हैं?	tamari shalama yogshikshak chhe?	Is there a yoga teacher in your school?
હા,અમારી શાળામાં યોગ શિક્ષક છે.	હા, અમારી શાલામાં યોગ શિક્ષક છે.	हाँ, हमारे स्कूल में योग शिक्षक हैं।	ha, amari shalama yogshikshak chhe.	Yes, we have a yoga teacher in our school.
એ અમને યોગા અને અન્ય વ્યાયામ શિખવે છે.	ए अमने योगा अने अन्य व्यायाम शिखवे છે.	वे हमें योग और दूसरे व्यायाम सिखाती हैं।	e amneyoga ane anya vyayam shikhave chhe.	She teaches us yoga and other exercises.
સાતમો દિવસ :ખેલકૂદ અને રમતો	सातमो दिवस खेलकूद अने रमतो	सातवाँ दिन खेल-कूद	satmo divas khelkood ane Ramato.	Seventh day Games and Sports
તમને રમવું પસંદ છે?	तमने रमवुं पसंद છે?	आपको खेलना पसंद है?	tamne ramvu pasand chhe?	Do you like to play?
હા,મને ફૂટબોલ ગમે છે.	હા,મને ફૂટબોલ ગમે છે.	मुझे फूटबॉल खेलना पसंद है।	ha,mane football game chhe.	Yes. I like to play football.
મને ઇન્ડોર રમતો ગમે છે.તમને?	मने इनडोर रमतो गमे છે.तमने?	मुझे इनडोर गेम पसंद है और आपको?	mane indoor ramto game chhe.tamne ?	I like indoor games. what about you?



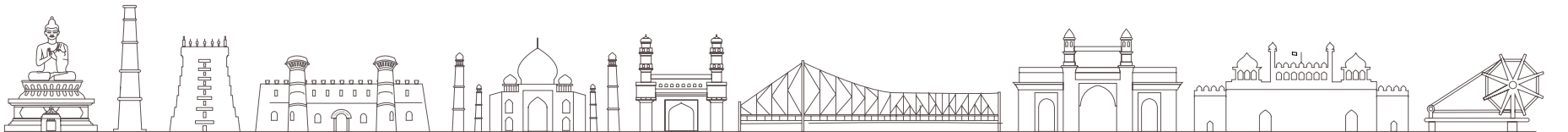
Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
મને પણ.હું ટેબલ ટેનીસ રમું છું.	મને પણ.હું ટેબલ ટેનિસ રમું છું.	मुझे भी। मैं टेबल-टेनिस खेलती हूँ।	mane pan. Hu table tennis ramu chhu.	Me too! I play table tennis.
તમે વિડિયો ગેમ્સ રમો છો?	તમે વીડિયો ગેમ્સ રમો છો?	आप वीडियो गेम खेलती हैं?	tame video games ramo chho?	Do you play video games?
ના.મને વિડિયો ગેમ્સ પસંદ નથી.હું કબડ્ડી જેવી આઉટડોર રમતો રમું છું.	ના.મને વીડિયો ગેમ્સ પસંદ નથી.	नहीं, मुझे वीडियो गेम पसंद नहीं है। मुझे बाहर खेलना पसंद है जैसे कबड्डी।	na.Mane video games pasand nathi. Hu kabaddi jevi outdoor games ramu chhu.	No, I don't like video games. I play outdoor games like Kabaddi.
આઠમો,નવમો અને દસમો દિવસ: પર્યાવરણ	આઠમો ,નવમો અને દસમો દિવસ हमारे आस-पास	आठवाँ, नौवाँ और दसवाँ दिन हमारे आस-पास	aanthmo,navmo, ane dasmo divas prakruti ane pariyavarana	Eighth, Ninth and Tenth day Our Surroundings
તમારા વિસ્તારમાં કઈ નદી વહે છે?	तमारा विस्तारमाँ कई नदी वहे छे?	आपके इलाके में कौन-सी नदी बहती है?	tamara vistarma kai nadi vahe chhe ?	Which river flows in your area?
અમારા વિસ્તારમાં ભાદર નદી વહે છે.	અમારા વિસ્તારમાં ભાદર નદી વહે છે	मेरे इलाके में भादर नदी बहती है।	amara vistarma bhadar nadi vahe chhe.	River Bhadar flows through my village.



Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
એના કિનારે પણ ઘણા બગીચા આવેલા છે.	ऐना किनारे घणा बगीचा पण आवेला છે.	उसके किनारे बहुत सारे बगीचे हैं।	bhadarna kinare pan ghana bagicha avela chhe.	There are many gardens on the banks of it.
અમે ત્યાં ફરવા જઈએ છીએ.	अमे त्यां फरवा जइऐ छिए.	हम सब वहाँ घूमने जाते हैं।	ame tya farva jaiye chhiye.	We go there for a stroll.
તમે ટહેલવા માટે ક્યાં જાઓ છો?	तमे टहेलवा माटे क्यां फरवा जाओ छो?	आप कहाँ घूमने जाते हैं?	tame tahelva mate kya jao chho ?	Where do you go for a stroll?
અમે બગીચામાં ટહેલવા માટે જઈએ છીએ.	अमे बगीचामाँ टहेलवा माटे जइये छिए.	हम पार्क में घूमने जाते हैं।	ame bagichama tahelva mate jaiye chhiye.	We go to the park for a stroll.
અમારા શહેરની બહાર એક પર્વત છે.	अमारा शहेरनी बहार एक पर्वत છે	हमारे शहर के बाहर एक पहाड़ है।	amara shaherni bahar ek parvat chhe.	There is a mountain outside our town.
એ ટહેલવા માટેની એક સરસ જગ્યા છે.	ए टहेलवा माटेनी एक सरस जग्या છે.	यह घूमने की बहुत अच्छी जगह है।	e tahelva mateni ek saras jagya chhe.	This is a nice place to move around.
તમારા વિસ્તારમાં મેદાનો છે?	तमारा विस्तारमाँ मेदानो છે?	आपके इलाके में खेत हैं?	tamara vistarma medano chhe?	Are there fields in your area?



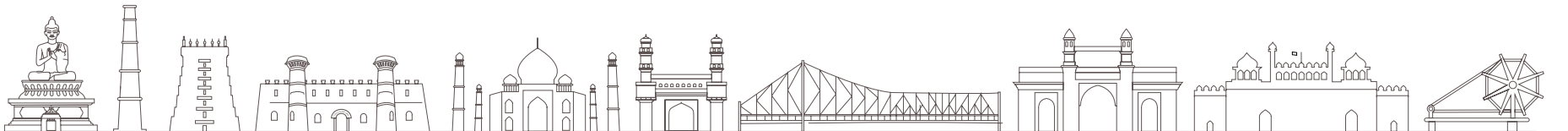
Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
હા,અમારા વિસ્તારમાં ઘણા મેદાનો છે.	હા, अमारा विस्तारमाँ घना घणा मेदानो छे	हाँ हमारे इलाके में बहुत खेत हैं।	ha, Amara vistarma ghana medano chhe.	Yes, there are many fields in our area.
ત્યાં એક જંગલ પણ છે.	त्यां एक जंगल पण छे	वहाँ जंगल भी है।	tya ek jungle pan chhe.	There is also a jungle there.
જંગલમાં એક ઝરણું પણ છે.	जंगलमाँ एक ज़रणु पण छे	उस जंगल में एक झरना है।	junglema ek jharnu pan chhe.	There is a stream in the jungle.
તમે કોઈ ઝરણું જોયું છે?	तमे कोई ज़रणु जोयु छे?	आपने झरना देखा है?	tame koi jhrnu joyu chhe?	Have you seen a stream?
ના,મને જોવું ગમશે.	ना,मने जोवुं गमशे	नहीं, मैं देखना चाहूँगी।	na.Mane jovu gamshe.	No, I would like to see one.
અમારે ગામ આવો,હું તમને ઝરણું દેખાડીશ.	अमारे गाम आवो, हुं तमने ज़रणु देखाडीश	मेरे गाँव आना, मैं तुम्हें झरना दिखाऊंगी।	asmare gam avo, Hu tamne jhrnu dekhadish.	Come to our village, I will show you a stream.



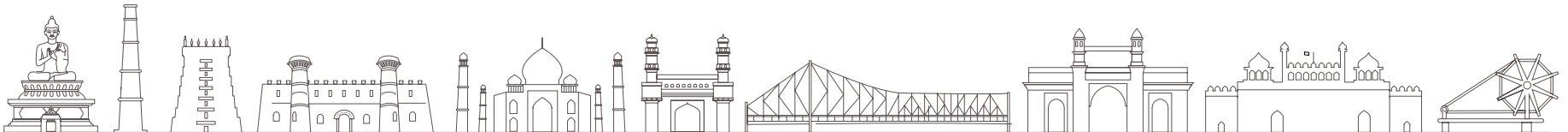
Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
અગિયારમો દિવસ : હવામાન	अगियारमो दिवस हवामान	ग्यारहवाँ दिन मौसम	agiyarmo divas: Havaman	Eleventh day Weather
ઓહ, આજે બહુ ગરમી થઈ રહી છે.હવે વરસાદ પડવો જોઈએ.	ओह,आजे बहु गरमी थइ रही छे,हवे वरसाद पडवो जोईए.	उफ़, आज बहुत गर्मी हो रही है। अब वर्षा होनी चाहिए।	oh, aaje bahu garmi thai rahi chhe,have varsad padvo joiye.	Oh! It's too hot today. I wish it rains now.
તમારા વિસ્તારમાં હવામાન કેવું રહે છે?	तमारा विस्तारमाँ हवामान केवुं रहे छे?	आपके क्षेत्र में मौसम कैसा है?	tamara vistarma havaman kevu rahe chhe?	How is the weather (like) in your area?
અહીં હવામાન સામાન્ય રીતે ખુશનુમા અને ગરમ રહે છે.	अहीं हवामान सामान्य रीते खुशनुमा अने गरम रहे छे.	यहाँ का मौसम ज्यादातर सामान्य या गरम रहता है।	ahi havaman samanya rite khushnuma ane garam rahe chhe.	The weather there is moderate or hot generally?
તમે કોઈ દિવસ રણ જોયું છે?	तमे कोई दिवस रण जोयु छे?	क्या आपने रेगिस्तान देखा है?	tame koi divas rann joyu chhe?	Have you seen a desert?
ના, મેં ક્યારેય રણ જોયું નથી.	ना,में क्यारेय रण जोयुं नथी.	नहीं, मैंने रेगिस्तान नहीं देखा।	na, me kyarey rann joyu nathi.	No, I have not seen a desert.
ત્યાં બહુ ગરમી હોય છે.	त्यां बहु गरमी होय छे	वहाँ तो बहुत गर्मी होती है।	tya bahu garmi hoy chhe.	It's very hot there.



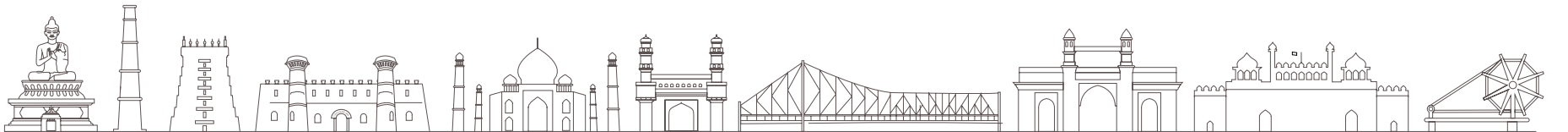
Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
હા, પણ રાતે રેતી ઠંડી થઈ જાય છે.	હા, પણ રાતે રેતી ઠંડી થાઈ જાય છે.	हाँ, लेकिन रात में रेत ठंडी हो जाती है।	ha, pan rate reti thandi thai jay chhe.	Yes but the sand becomes cold at night.
મને રણ જોવું ગમશે.	मने रण जोवुं गमशे.	मैं भी रेगिस्तान देखना चाहती हूँ।	mane rann jovu gamshe.	I would like to see the desert.
ગયા વર્ષે ગ્રીષ્મના વેકેશનમાં અમે પરિવાર સાથે પહાડોમાં ફરવા ગયા હતા.	गया वर्षे ग्रीष्मना वेकेशनमाँ अमे परिवार साथै पहाडोंमाँ फरवा गया हता	मैं पिछली गर्मी की छुट्टियों में अपने परिवार के साथ पहाड़ों में घूमने गई थी।	gaya varshe unalana vacationma ame parivar sathe pahadoma farva gaya hata.	Last summer holidays I had visited Himalayas with my family.
ત્યાં શિયાળામાં ખૂબ બરફ પડે છે.	त्यां शियालामाँ खूब बरफ पड़े છે.	वहाँ सर्दियों में बहुत बर्फ़ गिरती है।	tya shiyalama khub baraf pade chhe.	It snows a lot during winter.
બારમો,તેરમો,ચૌદમો અને પંદરમો દિવસ :તહેવારો	बारमो,तेरमो,चौदमो अने पंदरमो दिवस तहेवारो	बारहवाँ, तेरहवाँ, चौदहवाँ और पंद्रहवाँ दिन त्योहार	barmo, termo, chaudmo ane pandarmo divas Tahevaro	Twelfth, Thirteenth, Forteenth and Fifteenth day Festivals
તમારો પ્રિય તહેવાર કયો છે?	तमारो प्रिय तहेवार क्यो છે?	आपका पसंदीदा त्योहार कौन सा है?	tamara priya tahevar kayo chhe?	What is your favorite festival?



Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
મારો પ્રિય તહેવાર દિવાળી છે.	મારો પ્રિય તહેવાર दीवाली છે	मेरा पसंदीदा त्योहार दिवाली है।	maro priya tahevar Diwali chhe.	My favorite festival is Diwali.
મને દિવાળી બહુ પસંદ છે.	મને दीवाली बहुत पसंद છે.	दिवाली मुझे भी बहुत पसंद है।	mane Diwali bahu pasand chhe.	I also like Diwali very much.
મને હોળી વધુ ગમે છે.	મને होली वधु गमे છે.	लेकिन मुझे होली ज्यादा पसंद है।	mane holi vadhu game chhe.	But I like Holi the most.
અમે રંગોથી ખૂબ રમીએ છીએ.	અમે रंगोंથી खूब रमीए છીए.	होली में हम खूब रंग खेलते हैं।	ame rangothi khub ramiye chhiye.	We play with the colors.
તહેવારોમાં અમે ખૂબ મીઠાઈ ખાઈએ છીએ.	તહેવારોમાં અમે खूब मिठाई खाइए છીए.	त्योहारों में हम खूब मिठाइयाँ खाते हैं।	tahevaroma ame khub mithai khaiye chhiye.	We eat a lot of sweets during festivals.
હા, સેવૈયા ઈદની ખાસ મીઠાઈ છે.	हा,सेवैया ईदनी खास मिठाई છે.	हाँ, लेकिन सेवईयाँ ईद का खास पकवान है।	iddna tahevarma pan mithai khub khavay chhe.	Like Sevaiyan is a special dish of Eid.
તહેવારોમાં મને મેળાઓમાં ફરવાનું ખૂબ ગમે છે.	તહેવારોમાં મને मेलाओમાં फरवानुं खूब गमे છે.	त्योहारों के समय मेले में घूमना भी बहुत अच्छा लगता है।	tahevaroma mane melaoma farvanu khub game chhe.	I like to roam around in Fairs during festivals.



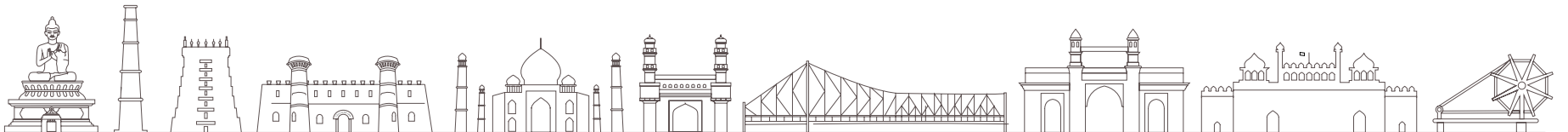
Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
હા, મને પણ આ રીતે રખડવું ગમે છે.	હા,મને પળ આ રીતે રખડવું ગમે છે.	हाँ मुझे भी घूमना पसंद है।	ha, Mane pan aa rite rakhadvu game chhe.	Yes, I also like to move around.
તમારી શાળામાં સ્વતંત્રતા દિવસની ઉજવણી કેવી રીતે થાય છે?	તમારી શાલામાં સ્વતંત્રતા દિવસની ઉજવણી કેવી રીતે થાય છે?	आपके स्कूल में स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाया जाता है?	tamari shalama swatantrata divasni ujavani kevi rite thay chhe?	How is Independence day celebrated in your school?
અમે રાષ્ટ્રધ્વજ ફરકાવીએ, રાષ્ટ્રગીત ગાઈએ અને લાડુ પણ ખાઈએ.	અમે રાષ્ટ્રધ્વજ ફરકાવીએ, રાષ્ટ્રગીત ગાઈએ અને લાડુ પણ ખાઈએ.	हम झंडा फहराते हैं, राष्ट्रगान गाते हैं, लड्डू भी खाते हैं।	ame rastradhvaj farkaviye, rastrageet gaiye ane ladu pan khaiye.	We hoist flag, sing the national anthem, and eat laddoos too.
પ્રજાસત્તાક દિવસની ઉજવણી પણ એ જ રીતે કરીએ છીએ	પ્રજાસત્તાક દિવસની ઉજવણી પણ એ જ રીતે કરીએ છીએ	ऐसे ही गणतंत्र दिवस भी मनाते हैं।	prajasattak divasni ujavani pan ej rite kariye chhiye.	Republic Day is also celebrated in the same manner.
બીજી ઓક્ટોબરે અમે સ્વચ્છતા દિવસ ઉજવીએ છીએ	૨ ઑક્ટોબરે અમે સ્વચ્છતા દિવસ ઉજવીએ છીએ.	2 अक्तूबर को गाँधी जयंती पर हम स्वच्छता दिवस मनाते हैं।	biji oktobare ame svachchhta divas ujaviye chhiye.	We observe Swachhata Diwas on the birth anniversary of Mahatma Gandhi on 2 nd October.



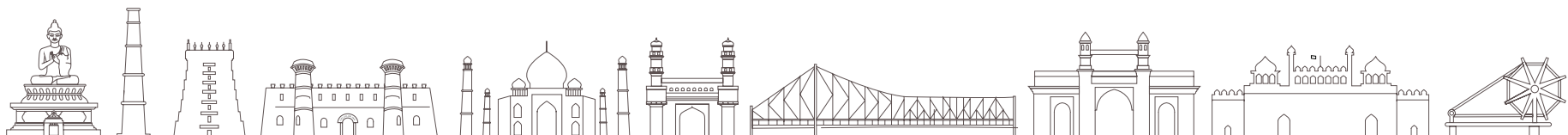
Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
શાળામાં ૨૧ ફેબ્રુઆરીએ માતૃભાષા દિવસ પણ ઉજવાય છે.	શાલામાં ૨૧ ફેબ્રુઆરી માતૃભાષા દિવસ પણ ઉજવાય છે	સ્કૂલ में मातृभाषा दिवस भी मनाया जाता है जो 21 फरवरी को होता है।	shalama 21 Februarye matrubhasha divas ujvay chhe.	Mother Tongue Day is also celebrated in school on 21 st February.
સોળમો અને સત્તરમો દિવસ સંબંધો અને સગપણ	સોલમો અને સત્તરમો દિવસ સંબંધો	સોલહવાँ और सत्रहवाँ दिन रिश्ते-नाते	solamo ane sattarmo divas :sambandho ane sagpan :	Sixteenth & Seventeenth day Relations
તમારા ઘરમાં કોણ કોણ છે?	તમારા ઘરમાં કોણ કોણ છે ?	आपके घर में कौन-कौन हैं।	tamara gharma kon kon chhe?	Who are there at your home?
મારા માતા, પિતા, દાદીમા, દાદાજી, કાકા,કાકી અને મારી બહેન -આટલા સભ્યો અમારા પરિવારમાં છે.	મારા ઘરમાં માતા,પિતા,દાદીમા,દાદાજી, કાકા,કાકી અને મારી બહેન છે	मेरे घर में माँ-पिताजी, दादा-दादीजी, चाचा-चाची और हमारी बहन है।	mara gharma mata, pita,dadima dadaji,kaka,kaki ane mari bahen-atla sabhyo amara parivarma chhe.	My father, mother, grandfather, grandmother, uncle, aunt and my sister are there in my home.
સરસ.શું તમે મામાને ઘેર જાવ છો?	સરસ,શું તમે મામાને ઘેર જાવ છો?	अच्छा तो क्या आप कभी अपने मामा के घर जाते हो?	saras.shu tamane mamane gher jav chho?	Good. Do you like to visit your maternal uncle's house?



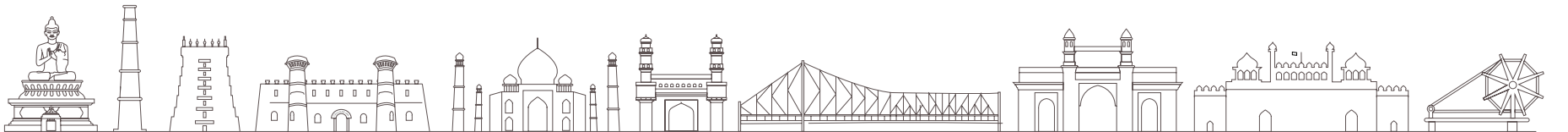
Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
હા.હું રજાઓમાં મારે મોસાળ જાઉં છું.મને ત્યાં મજા પડે છે.	हा, हुं रजाओमाँ मारे मोसाल जाऊं छुं.त्यां मने मजा पड़े छे.	हाँ! मैं छुट्टी के दिनों में मामा के घर जाती हूँ। वहाँ बहुत अच्छा लगता है।	ha.hu rajaoma mare mosal jau chhu.tya mane maja pade chhe.	Yes, I visit my maternal uncle's house during holidays. I feel good there.
મોસાળમાં મારા મામા-મામી,માસી અને નાના-નાની રહે છે.	मोसालमाँ मारा मामा-मामी,मासी अने नाना-नानी रहे छे	वहाँ मेरे मामा-मामी, मौसी और नाना-नानी रहते हैं।	mosal ma mara ma-mami,masi ane nana-nani rahe chhe.	My maternal uncle-aunt, mother's sister, and grandparents live there.
મારા દાદીમા અમને વાર્તાઓ કહે છે.	मारा दादीमाँ अमने वार्ताओ कहे छे.	हमारी दादी हमें बहुत कहानियाँ सुनाती हैं।	mara dadima amne vartao kahe ane jamade pan chhe.	Our grandmother tells us a lot of stories.
તમે મામાને ઘેર જાવ છો?	तमे मामाने घेर जाव छो?	क्या तुम भी अपने मामा के घर जाते हो?	tame mamane gher jav chho?	Do you also visit your maternal uncle's house?
હા, હું મારા મામાને અને ફઈને ઘેર જાઉં છું.	हा, हुं मारा मामाने अने फईने घेर जाऊं छुं.	हाँ, मैं तो अपने मामा और बुआ दोनों के घर जाती हूँ।	ha,hu mar mamane ane kakane gher dar varshe jau chhu.	Yes, I go to my maternal uncle and paternal aunt's house.



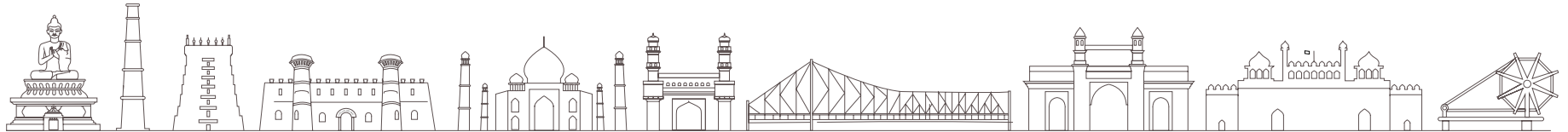
Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
મારી મામીને ઘરે એક એક કૂતરો અને એક બિલાડી પણ છે.	મારા મામીને ઘેર એક કૂતરો અને એક બિલાડી પળ છે.	मेरी मामी के घर में एक कुत्ता और एक बिल्ली भी है।	mari mamine gher ek biladi ane ek kootro chhe.	My aunt has a dog and a cat in her house.
મારા ઘરમાં એક ગાય અને એક વાછરડો છે	મારા ઘરમાં એક ગાય અને એક વાછરડો છે.	मेरे घर में तो गाय और बछड़े हैं।	mara gharma ek gaay aneek vachharado chhe.	I have a cow and a calf in my house.
મારા ગામમાં બકરાં અને ભેંસો પણ છે.	મારા ગામમાં બકરા અને ભેંસો પળ છે	हमारे गाँव में भैंस और बकरियाँ भी हैं।	mara gamma bakara ane bhenso pan chhe.	Goats and buffaloes also live in my village.
મારા ઘરમાં એક પોપટ પણ હતો જે એક દિવસ ઉડી ગયો, ત્યારે મને ખૂબ મજા આવી.	મારા ઘરમાં એક પોપટ પળ હતો જે એક દિવસ ઉડી ગયો ત્યારે મને ખૂબ મજા આવી	मेरे घर में एक तोता था। एक दिन वह उड़ गया। मुझे बड़ा मज़ा आया।	mara gharma ek popat pan hato je ek divas udi gayo tyare mane khoob maja aavi.	I had a parrot in my home. One day it flew away. I really enjoyed it.



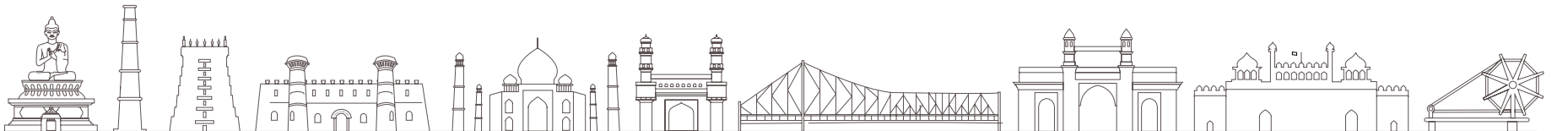
Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
અઠારમો અને ઓગણીસમો દિવસ-પ્રવાસ	અઠારમો અને ઓગણીસમો દિવસ પ્રવાસ	અઠારहवाँ और उन्नीसवाँ दिन यात्रा	atharmo ane ognismo divas pravas	Eighteenth and Ninteenth day Travel
તમને રજાઓમાં ક્યાં જવાનું ગમે છે?	तमने रजाओमाँ कयाँ जवानुं गमे छे?	आप स्कूल की छुट्टियों में कहाँ घूमना पसंद करते हैं?	Tamne rajaoma kya javanu game chhe?	Where do like to visit during the holidays?
મને ગ્રીષ્મની રજાઓમાં પહાડોમાં જવું ગમે છે.	मने ग्रीष्मनी रजाओमाँ पहाड़ोमाँ जवुं गमे छे.	मुझे गर्मी की छुट्टियों में पहाड़ों पर घूमना पसंद है।	mane unalani rajaoma pahadoma javu game chhe.	I like to visit Himalayas during summer holidays.
આ વેકેશનમાં તમે ક્યાં જવાના છો?	आ वेकेशनमाँ तमे कयाँ फरवा जवाना छो?	तो इन छुट्टियों में कहाँ जाने वाले हो?	aavekeshnma tame kya javanu vicharo chho?	Where are you planning to visit in this vacation?
હું વેકેશનમાં સિક્કિમ અથવા કશ્મીર જવાની છું.	हुं आ वेकेशनमाँ सिक्किम अथवा कश्मीर जवानी छुं.	मैं तो इन छुट्टियों में सिक्किम या कश्मीर जाने वाली हूँ।	hu vekeshnma Sikkim athva Kashmir javanu vicharu chhu.	I will be visiting either Sikkim or Kashmir in the holidays.



Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
મારી ઈચ્છા તો શરદની રજાઓમાં ગોવા અથવા આંદામાન જવાની છે.	મારી इच्छा तो शरदनी रजाओमाँ गोवा अथवा अंदमान जवानी છે	मेरी इच्छा तो सर्दी की छुट्टियों में गोवा या अंडमान जाने की है।	mane shiyalalani rajaoma goa athva aandamaan javanu gamshe.	I would like to go to Goa or Andaman during the winter holidays.
અરે!આંદામાન તો સમુદ્રની અંદર છે,ત્યાં કેવી રીતે જઈ શકાય?	अरे! आंदामान तो समुद्रनी अंदर છે.ત્યાં કેવી રીતે જઈ શકાય?	अरे! अंडमान तो समुद्र के अंदर है, वहाँ कैसे जाते हैं?	are !aandaman to ek tapu chhe,tya kevi rite jai shakay?	Andaman is in Ocean, how do people go there?
ત્યાં હવાઈ જહાજ અને સ્ટીમર બંનેથી જવાય છે.	ત્યાં હવાઈ જહાજ અને સ્ટીમર બંનેથી જવાય છે.	वहाँ हवाई जहाज और पानी वाले जहाज दोनों से ही जा सकते हैं।	tya hawai jahaj ane steamer dvara jai shakay chhe.	One can go there by a ship or an aero plane.
વીસમો દિવસ -સપનું	वीसमो दिवस मेरे सपनुं	बीसवाँ दिन मेरे सपने/लक्ष्य	Vismodivas sapanu	Twentieth My Dream/Aim
તમે ભણતર પૂરું કરીને શું કરવા માંગો છો?	तमे भणतर पूरू करीने शुं करवा मांगो छो?	आप पढ़-लिखकर क्या करना चाहते हैं?	tame bhanatar pooru karine shu Karva mango chho?	What do you want to do after studies?
હું લેખિકા બનવા માંગું છું	हुं लेखिका बनवा मांगुं छुं.	मैं लेखिका बनना चाहती हूँ।	hu lekhakika banava mangu chhu.	I want to be a writer.



Gujarati	Gujarati Devanagri	Hindi	Gujarati Roman	English
હું અમારા પારિવારિક વ્યવસાયમાં જોડાવા માંગું છું.	હું अमारा पारिवारिक व्यवसायमाँ जोडावा मांगुं छुं.	मैं अपने घरेलू व्यवसाय में सहयोग करूंगी।	hu amara parivarik vyavsayma jodava mangu chhu.	I want to support our family business.
કેવા પ્રકારનો વ્યવસાય?	केवा प्रकारनो व्यवसाय?	जैसे, किस तरह का व्यवसाय?	keva prakarno vyavsay?	Like what kind of business.
ખેતીવાડી, બાગકામ, દુકાન, કપડાંનો ધંધો વગેરે	खेतीवाडी/बागबानी/दुकान/कपड़ानो धंधो वगैरे	खेती-बाड़ी/ बागवानी/ दुकान/ कपड़े का व्यवसाय।	kheti, bagkaam, dukan, kapdano dhandho vagere.	Farming/gardening/shop, cloth business.
મારે રાજકારણમાં જવું છે	મારે राजकारणमाँ जवुं છે.	मैं राजनीति में जाना चाहती हूँ।	mare rajkaranma javu chhe.	I want to join politics.
મારું સપનું એવરેસ્ટ પર જવાનું છે.	मारुं सपनुं एवरेस्ट पर जवानुं છે.	मेरा सपना एवरेस्ट पर जाने का है।	maru sapanu Everest chadvanu chhe.	My dream is to climb the Mount Everest.
હું સૈનિક બનવા માંગું છે.	હું सैनिक बनवा मांगुं છुं.	मैं तो सैनिक बनना चाहती हूँ।	Hu sainik banva mangu chhu.	I want to become a soldier.



Grateful Acknowledgements are made to:

Ratnottama Das, Munshi Md. Younus, Chofia Basumatary, Bharat Bhushan, Sunita Gupta, Sharada, Satyanath, Mohan S. Niklje, Sushma Jatoo, Dhananjaya Kumar Acharya, Parmananda Jha, Reshma, Dabir Prachiti, Usha Joshi, Chakrapani Pokhrel, Ravi Prakash Tekchandani, Tamil Bharathan, Rajendra Mehta, C. Binodini Devi, Prithvi Raj Thapar, Indra Tekchandani, Parmananda Jha, Gayatri, Bishwajit Barua, Sunil Kumar, Rongjali Rabha, Krishna Aryal, Ranjit Behera, Jiten Murmu, Ashok Kumar, Preeti Shukla, M. Kishan, Yasmin Ashraf, Sandhya Singh, Amarendra Behera, Bharti Kaushik, K. C. Tripathi, Sandhya Sahoo, Mohd. Faruq Ansari, Lalchand Ram, Mohd. Moazzamuddin, Sanjay Kumar Suman, Diwan Hannan Khan, Kirti Kapur, Jatindra Mohan Mishra, R. Meganathan, Pramod Kumar Dubey, Chaman Ara Khan, Naresh Kohli, Meenakshi Khar, Ved Prakash Mishra, Neelkanth Kumar, Rajesh K. Nimesh, Suresh Makwana, (Late) S. G. Wadekar, Tarkeshwar Gupta, Abhishek Kumar Singh, Shakuntla, Moti Lal, Raj Roop, Mahesh Kumar Meena, Kiran Arora, Haseen Khan, Ashish Goyal, Munna, Gurindar Kaur, Ravi Ranjan, Shikha Patwa, Amit Kagra, Paromita Raha, Aarif, Chandan Kumar, Neelkanth Pan, Kriti Gautam, Abdur Razzaque Ziyadi, Imtiyaz Ahmad, Mohd. Tameer, Mohd. Fazil, Shabbir Ahmad, Gagan Arora, Rajat Kumar, Anita, Rekha, Nitin Tanwar, Devkee Nandan, Monu Kumar, Ata Hussain, Ashish Kumar, Jitin, Vivek Mandal, Himanshu, Bharti Singh, Megha Sharma, Riya Kumari, Usha Rawat, Karuna Shankar Tiwari, Devendar, Mukesh Vandana Arimardan, Vimlesh Chaudhary, Ajit Horo, Shanu Mukseem, B. Lungdoh, Amit Kumar, Kusumlata, Meenakshi Kukreti, Tanu Gupta, Jagbandhu Jana, Saumya Malik, Mayank kumar, Vikas Sangwan, Vikash K, Radhe Krishna, Saurav, Yogesh, Vivek Gupta, Deepak Bhardwai, Sanjeet Kumar, Payal Bose, Vijay Kumar, Rashik, Nikhil Sharma, Ankit Bairagi, Vipul Pal, Priya Tiwari and Gautami Gautam.

For queries and comments please contact:

The Joint Director
Central Institute of Educational Technology (CIET)
NCERT, New Delhi 110016
E-Mail: jdciet.ncert@nic.in
Phone: 91-11-26962580

The Head
Department of Education in Languages
NCERT, New Delhi 110016
E-Mail: del.ncert@gmail.com
Phone: 91-11-26565336



विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

National Council of Educational Research and Training

Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016

Tel: +91-11-26519154 Fax: +91-11-26519159

Email: director.ncert@nic.in